>

**Title:**Need to form a policy to supply D.A.P. Fertilizers to the farmers in Rajasthan.

श्री रामनारायण मीणा (कोटा) : सभापति महोदय, इस सदन में हर समय किसानों के हित की बात होती है। किसानों के हित की बात कहने वाली यह सरकार किसानों के लिए कुछ नहीं कर रही है। पिछले दिनों डी.ए.पी. खाद के बारे में विचार हुआ था। मैं पिछले हफ्ते की घटना बताना चाहता हूं। राजस्थान के कोटा संभाग में जिसे हाड़ोती कहते हैं, बूंदी और झालावाड़ में डी.ए.पी. खाद की कमी से किसान परेशान हैं। लाइन में लगे किसानों पर पुलिस ने ज्यादती की। एक-एक कट्टे डी.ए.पी. खाद के पीछे १५-१५ कट्टे यूरिया देने की जो बात हो रही है, उसमें कालाबाजारी हो रही है। वहां अभी भी खाद उपलब्ध नहीं है। कृषि मंत्री ने इस बारे में स्टेटमेंट दिया था। राजस्थान में डी.ए.पी. खाद की कमी है। सरकार की अदूरदर्शिता के कारण यह कमी हर साल होती है। इस बारे में नीति न बनाना, सबसिडी देने के बारे में नीति निर्धारित न करना और पांच-पांच दिन में अनुदान देने की नीति को बदला जाना यह सरकार की नीयत को दर्शाता है। किसानों के हित की बात कहने वाली सरकार किसानों के लिए कुछ नहीं कर रही है। हमारे यहां नहरें सूख गई हैं। चम्बल कमांड की नहरें जर्जर हालत में हैं। कोटा सम्भाग के हाड़ोती क्षेत्र में बहुत बुरी हालत है। वह केशोराम पाटन और लाखेरी का एरिया हो या चम्बल कमांड का एरिया हो, सब जगह हालत खराब है। वहां किसानों को खाद नहीं मिल रही है। मैं सरकार से आग्रह कहूंगा कि वह इस बारे में एक सुनिश्चित नीति बनाए और इसका समुचित प्रबन्ध करे।